DSSSB PRT, TGT & PGT
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
ROJGAR
ANKIT
Part(A+B)
SCHOLAR BATCH
हिन्दी
आत्मकथा, रिपोर्ताज, डायरी, रेखाचित्र, संस्मरण,
जीवनी, यात्र वृतांत, एंकाकी
LIVE
17-07-2024 09:00 AM

आत्मकथा

किसी लेखक द्वारा अपने ही जीवन को शब्द बद्ध करना या अपने जीवन का वर्णन करने वाली कथा को लिखना 'आत्मकथा' कहलाती है। आत्मकथा के साथ-साथ आसपास के समाज, परिस्थितियों एवं घटनाओं का वर्णन होता है। इनमें लेखक अनजाने में या जानबूझ कर अपने जीवन के महत्त्वपूर्ण तथ्य को छुपा सकता है या फिर झूठा वर्णन भी कर सकता है। आत्मकथा अपनी अनुभूति को व्यक्त करने का सबसे सरल उपाय है।

हिन्दी की प्रथम आत्मकथा बनारसीदास जैन कृत अर्द्धकथा (1641) है। पद्य में लिखी इस आत्मकथा के अतिरिक्त पूरे मध्यकाल में हिन्दी में कोई दूसरी आत्मकथा नहीं मिलती।

आत्मकथाएँ

लेखक	रचनाएँ	प्रकाशन वर्ष
बनारसी दास जैन	अर्द्धकथा	(1641 ई.) (ब्रजभाषा पद्य में)
दयानन्द सरस्वती	जीवन चरित्र	(1860)
सत्यानन्द अग्निहोत्री	मुझमें देव जीवन का विकास	(1910)
भाई परमानन्द	आपबीती	(1921)
रामविलास शुक्ल	मैं क्रान्तिकारी कैसे बना	(1933)
भवानीदयाल संन्यासी	प्रवासी की कहानी	(1939)

डॉ. श्यामसुन्दर दास	मेरी आत्मकहानी	(1941)
बाबू गुलाब राय	मेरी असफलताएँ	(1941)
हरिभाऊ उपाध्याय	साधना के पथ पर	(1946)
राहुल सांकृत्यायन	मेरी जीवन यात्रा	(1946)
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	आत्मकथा	(1947)
वियोगी हरि	मेरा जीवन प्रवाह	(1948)
अम्बिका दत्त व्यास	निज वृतान्त	-
स्वामी श्रद्धानन्द	कल्याण मार्ग का पथिक	-
गणेश प्रसाद वर्णी	मेरी जीवन गाथा	(1949)
मूलचन्द अग्रवाल	एक पत्रकार की आत्मकथा	(1944)

सेठ गोविन्द दास	आत्म निरीक्षण	(1958)
अजित प्रसाद जैन	अज्ञात जीवन	(1951)
अल्लू राय शास्त्री	मेरा जीवन	(1951)
यशपाल	सिंहावलोकन तीन भाग	(1951, 52, 55)
सत्यदेव परिव्राजक	स्वतन्त्रता की खोज में	(1951)
शान्तिप्रिय द्विवेदी	परिव्राजक की प्रजा	(1952)
देवेन्द्र सत्यार्थी	चाँद सूरज के वीरन नील यक्षिणी	(1952) (1985)
गंगा प्रसाद उपाध्याय	जीवन चक्र	1954

चतुरसेन शास्त्री	यादों की परछाइयाँ	1956
	मेरी आत्मकहानी	1963
देवराज उपाध्याय	बचपन के दो दिन	1958
	यौवन के द्वार पर	1970
पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	मेरी अपनी कथा	1958
पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	अपनी खबर	1960
सन्तराम बी.ए.	मेरे जीवन के अनुभव	1963
भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र 'माधव'	जीवन के चार अध्याय	1960

हरिवंशराय बच्चन	क्या भूलूँ क्या याद करूँ	1969
	नीड़ का निर्माण फिर	1970
	बसेरे से दूर	1978
	दशद्वार से सोपान तक	1985
वृन्दावन लाल वर्मा	अपनी कहानी	1970
बलराज साहनी	मेरी फिल्मी आत्मकथा	1947
रामावतार 'अरुण'	अरुणायन	1974
कृष्णचन्द्र	आधे सफर की पूरी कहानी	1979
रामविलास शर्मा	घर की बात	1983
	अपनी धरती अपने लोग (तीन खंड)	1983

शिवपूजन सहाय	मेरा जीवन	1985
हंसराज रहबर	मेरे सात जनम (तीन खण्ड)	1986
रामदरश मिश्र	जहीं में खड़ा हूँ (प्रथम खण्ड) रोशनी की पगडंडिया (द्वितीय) टूटते-बनते दिन (तृतीय) उत्तर-पथ (चतुर्थ)	1984
	फुरसत के दिन (पंचम)	2000
कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर	'तपत्ती पगडंडियों पर	1989

अमृतलाल नागर	टुकड़े-टुकड़े दास्तान	1986
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	आत्मपरिचय	1988
डॉ. नगेन्द्र	अर्धकथा	1988
यशपाल जैन	मेरी जीवन धारा	1987
गोपाल प्रसाद व्यास	कहो व्यास कैसी कटी	1994
रवीन्द्र कालिया	गालिब छूटी शराब	2000
कमलेश्वर	जो मैंने जिया	1992
	यादों का चिराग	1997
	जलती हुई नदी	1999
भगवती चरण वर्मा	कहि न जाय का कहिए	2001

राजेन्द्र यादव	मुड़-मुड़ कर देखता हूँ	2001
अखिलेश	और वह जो यथार्थ था	2001
भीष्म साहनी	आज के अतीत	2003
अशोक वाजपेयी	पावभर जीरे में ब्रह्मभोज	2003
स्वदेश दीपक	मैंने मांडू नहीं देखा	2003
रवीन्द्रनाथ त्यागी	वसन्त से पतझर तक	2005
विष्णु प्रभाकर	पंखहीन	2004
	मुक्त गगन में	2004
	पंछी उड़ गया	2004

कन्हैयालाल नन्दन	एक अन्तहीन तलाश कहाँ कहाँ से गुजरा	2004 2007
डॉ. देवेश ठाकुर	यों ही जिया	2007
सुमित्रानन्दन पन्त	साठ वर्ष: एक रेखांकन	-
मिथिलेश्वर	कहाँ तक कहें युगों की बात	2011
नरेन्द्र मोहन	कमबख्त निन्दर	2013
हरिशंकर परसाई	हम इक उम्र से वाकिफ हैं	-
मिथिलेश्वर	पानी बीच मीन प्यासी और कहाँ तक कहें युगों की बात	2012
एकान्त श्रीवास्तव	मेरे दिन मेरे वर्ष	-

हृदयेश	जोखिम	-
कृष्ण बिहारी	'सागर के इस पार से उस पार तक	2008
राजकमल चौधरी	भैरवी तन्त्र	-
कन्हैयालाल नन्दन	गुजरा कहाँ-कहाँ से	2007
	एक अन्तहीन तलाश	2009
	कहना जरूरी था	2009
	मैं था और मेरा आकाश	2011
श्री विष्णुचन्द्र शर्मा	मुक्तिबोध की आत्मकथा	1984
सूर्य प्रसाद दीक्षित	निराला की आत्मकथा	1970

महिला रचनाकारों की आत्मकथाएँ

रचनाकार	रचनाएँ	प्रकाशन वर्ष
जानकी देवी बजाज	मेरी जीवन यात्रा	1956
प्रतिभा अग्रवाल	दस्तक जिन्दगी की	1990
	मोड़ जिन्दगी की	1996
कुसुम अंसल	जो कहा नहीं गया	1996
कृष्णा अग्निहोत्री	लगता नहीं है दिल मेरा	1997
पद्मा सचदेवा	बूँद बावड़ी	1999
शीला झुनझुनवाला	कुछ कही कुछ अनकही	2000

मैत्रेयी पुष्पा	कस्तूरी कुण्डल बसै गुड़िया भीतर गुड़िया	2002 2008
रमणिका गुप्ता	हादसे	2005
मन्नू भण्डारी	कली यह भी	2007
प्रभा खेतान	अन्या से अनन्या	2007
चन्द्रकिरण नरेक्सा सौ अनीता राकेश	पिंजरे की मैना सतरें और सतरें	2008 -
ममता कालिया	कितने शहरों में कितनी बार	2011
चन्द्रकान्ता	हासिये की इबारतें	2012
इस्मत चुगताई	कागजी है पैरहन	-

निर्मला जैन	जमाने में हम	-
मृदुला गर्ग मन्नू भण्डारी	राजपथ से लोकपथ पर एक कहानी यह भी	2008 2007
सुनीता जैन	शब्दकाया	2005

दलित लेखकों की आत्मकथाएँ

दलित लेखक एवं उनकी आत्मकथाएँ तथा प्रकाशन वर्ष निम्न प्रकार हैं-

लेखक	आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष
भगवान दास	मैं भंगी हूँ	1981
मोहनदास नैमिषराय	अपने-अपने पिंजरे	1995
ओम प्रकाश वाल्मीकि	भाग-1 एवं भाग-2 जूठन	1997
		2000
कौशल्या बैसन्ती	दोहरा अभिशाप	1999
माता प्रसाद	झोपड़ी से राजभवन	2002

सूरजपाल सिंह चौहान	तिरस्कृत, संतप्त	2002
रमाशंकर आर्य	घुटन	2005
श्यौराज सिंह बेचैन	बेवक्त गुजर गया माली	2006
रूपनारायण सोनकर	मेरा बचपन मेरे कन्धे पर	2009
	नागफनी	2007
	मेरे जीवन की बाइबिल	2007
तुलसीराम	मुर्दहिया	2010
	मणिकर्णिका	2013
किशोर शान्ताबाई काले	छोरा कोल्हाटी	1997
डी. आर, जाटव	मेरा सफर मेरी मंजिल	2010

डॉ. धर्मवीर	मेरी पत्नी और भेड़िया	2009
सुशीला टाकभौरे	शिकंजे का दर्द	2011
शरण कुमार लिम्बाले	अक्करमाशी	-
भालचन्द्र मुणगेकर	मेरी हकीकत	2010
लक्ष्मण गायकवाड़	उचक्का	2011
बलवीर माधोपुरी	धंग्यारूख	2012

- जानकी देवी बजाज हिन्दी की प्रथम महिला आत्मकथा लेखिका हैं। 'मेरी जीवन यात्रा' में इन्होंने अपने बचपन से पति की मृत्यु तक के जीवन की घटनाओं का वर्णन किया है। इसमें भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन के अनेक अनछुए पहलुओं का भी समावेश है।
- बीसवीं शती के प्रारम्भिक दशकों में भाई परमानन्द ने 'आपबीती', महात्मा गाँधी ने 'आत्मकथा' और सुभाषचन्द्र बोस ने 'तरुण के स्वप्न' नाम से आत्मकथा लिखी।
- 'मेरा जीवन प्रवाह' में वियोगी हरि ने परिनिष्ठित भाषा-शैली में अपना आत्मचरित प्रस्तुत किया है।

- बाबू श्यामसुन्दर दास की अपनी आत्मकथा 'मेरी आत्मकहानी' में उनकी साहित्यिक अभिरुचियों की सफल अभिव्यक्ति की है।
- पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' ने अपनी आत्मकथा 'अपनी खबर' में अपने जीवन के प्रारम्भिक इक्कीस वर्षों की घटनाओं का उल्लेख किया है।
- यशपाल की आत्मकथा 'सिंहावलोकन' में उनके राजनीतिक विचारों की प्रमुखता है।
- यशपाल जैन ने 'मेरी जीवनधारा' में अपने जीवन के सुख-दुःख के साथ ही आधुनिक मूल्यहीन समाज की विसंगतियों का भी चित्रण किया है।
- बलराज साहनी कृत 'मेरी फिल्मी आत्मकथा' में लेखक के फिल्मी संघर्ष की गाथा है।

- ❖ कमलेश्वर के सम्पदकत्व में हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के बारह रचनाकारों का आत्मकथ्य 'गर्दिश के दिन' (1980) शीर्षक से प्रकाशित हुआ है।
- ❖ रामदरश मिश्र की आत्मकथा 'सहचर है समय' में स्वतन्त्रता के बाद ग्रामीण परिवेश से निकलें हुए एक संघर्षशील साहित्यकार और उसके लक्ष्य प्राप्ति की कहानी है।
- ❖ 'गालिब छूटी शराब' रवीन्द्र कालिया की संस्मरणात्मक आत्मकथा है।
- ❖ राजेन्द्र यादव ने अपनी आत्मकथा 'मुड़-मुड़ के देखता हूँ' को आत्मकथ्यांश कहा है।

- डॉ. नगेन्द्र ने अपनी आत्मकथा 'अर्धकथा' में लिखा है कि "यह मेरे जीवन का अर्धसत्य है।"
- हरिवंशराय बच्चन ने अपनी आत्मकथा को' स्मृति यात्रा यज्ञ' कहा है।